टैरो का परिचय

पुराने समय में जब कोई अपने किसी प्रश्न का उत्तर जानना चाहता था, तो उसके लिये अनेक विधियां प्रचलित थी। एक अत्यंत लोकप्रिय तरीका सिक्का उछालना था। सिक्का उछाला जाता था और यदि चित्त आया तो जातक कुछ करता था और पट आया तो कुछ अन्य काम या उसका उलटा करता था। भारत में अनेक लोग रामायण, गीता जैसी आध्यात्मिक पुस्तकों का उपयोग इसी उद्देश्य से करते थे। ये ईश्वर के नाम का स्मरण करके पुस्तक खोलते थे। जो पृष्ठ खुला उसका गंभीरता पूर्वक अध्ययन करते थे तथा अर्थ निकालकर काई निर्णय करते थे। भारत में एक और लोकप्रिय उपाय था, जिसमें नवजात शिशु से बडों द्धारा उंगली पकडी तो उसका क्या परिणाम होगा। शिशु जिस उंगली को पकडे उससे प्रश्न का उत्तर मिल जाता था। इसी प्रकार अन्य कई विधियां रही होंगी, जिनकी हमें जानकारी नही है।

ये सब उपाय यद्यपि प्रतिफल देते है किंतु इन्हें विधिवत संगठित नही किया गया है। दूसरी बात यह है कि इन उपायों से केवल हां या नही में जवाब मिल सकता है या कुछ ही विकल्पों में से चयन करना पडता है। परंतु अब अनेक ऐसी विधियां उपलब्ध है जो उन्नत है, शक्तिशाली है तथा उपरोक्त उपायों की अपेक्षा कही अधिक सटीक है। वेदिक ज्योतिष में प्रश्न कुंडली, चीनी फेंग-शुई में आई-चिंग, अंकों की कबाला पद्धति, अफरीकी ईश्वरीय विधि, वेदिक कालीन रमल प्रणाली, इत्यादि ऐसे कुछ उदाहरण है। इन तकनीकों में से एक है टेरो पाठन।

टैरो का उद्गम रहस्य में लिपटा है। परंतु ऐसी धारणा है कि यह अति प्राचीन और प्रभावी तकनीक है। टैरो की भांति पत्ते भी उतने ही रहस्यमय है। एक मान्यता के अनुसार इनका प्रारंभ चीन में हुआ और कुछ लोगों के मतानुसार इनका जन्म प्राचीन

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore : 0731-4076612, 4076613, www.vaiindia.com

मिस्र के दर्शन के इसोटेरिक आचार–व्यवहार में हुआ था। घुमन्त् जिप्सी लोग पत्तों के आधार पर भविष्य कथन करते थे। भारत में भी इनका उद्भव हुआ हो सकता है और यह भी संभव है कि माइनर अर्काना के चार सूटों का आधार हिंदुत्व के चार वर्णों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र से हो।

टैरो की नाम की कई व्युत्तपियां बताई गई है। टेरो शब्द रोमन भाषा के रोटा (पहिया) से कदाचित ग्रहण किया गया हो। मिस्री शब्द ता–रोश का अर्थ है शाही मार्ग। यहूदी लोग इसकी उत्पत्ति तोराह से मानते है जो कि कानून का ग्रंथ हैं। जिप्सियों की भाषा में तार का मतलब पत्तों की गड्डी है।

टैरो का प्रयोग व्यापक रुप से दैवीय साधन के बतौर होता है। पारंपरिक टेरो पाठन के लिये एक प्रश्नकर्ता तथा पाठक की आवश्यकता होती है। प्रश्नकर्ता जातक होता है जो अपने व्यक्तिगत प्रश्नों के उत्तर जानना चाहता है और पाठक वह व्यक्ति होता है, जो पत्तों की व्याख्या करने में विशेषज्ञ हो। प्रश्नकर्ता पत्तों को फेटकर गड्डी में से पत्ते निकालता है और पाठक उन पत्तों को एक निश्चित ढंग से बिछाता है, जिस क्रिया को स्प्रेड कहते है। बिछायत की प्रत्येक स्थिति का अर्थ होता है और प्रत्येक पत्ते का भी अर्थ होता है। पाठक इन दो अर्थो को जोडकर प्रश्नकर्ता के प्रश्न पर रोशनी डालता है।

टेरो हमारे चैत्तन्य व सुषुप्त ज्ञान के बीच पुल का कार्य करता है। उत्तर सुषुप्तावस्था में स्वप्न, कल्पना तथा अंतर्प्रज्ञा के माध्यम से उत्पन्न होते है। टेरो के पत्ते, जब उनका समझबूझ के साथ वाचन किया जाए, तो वे उस अंतर्प्रज्ञा को उत्तेजित्त कर देते है। उत्तर निद्रित अवस्था की यादों तथा उस जानकारी में निहित होते है जिनका हम सभी में निवास होता है। यद्यपि कई लोग सुषुप्तावस्था की क्रियाओं की अनदेखी करते है किंतु अधिकतर हम क्या करते है, उस पर चेतनाहीनता का बहुत प्रभाव रहता है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. Ph.: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

टेरो पत्तों की बहुमूल्यता का एक मुख्य कारण आकलन है। उनके अबूझ चित्र तथा नमूने अचेत को खंगालने में प्रभावी होते है। यह टेरो का व्यक्तिगत पहलू है तथापि पत्तों का भी सामूहित संदेश होते है यह टेरो का व्यक्तिगत पहलू है तथापि पत्तों का भी सामूहिक संदेश होता है। मानव होने के कारण हम सभी की एक सी आवश्यकताएं और अनुभव होते है। पत्तों की छायाएं उन वैश्विक क्षणों को पकड कर उनका मतलब निकालने में सहायक होती है। लोग पत्तों के प्रति एक सी प्रतिक्रिया इसलिए करते है क्योंकि आदर्श नमूनों का प्रतिनिधित्व करते है।

टैरो के पत्ते

टेरो के पत्तों की गड्डी की डेक कहते है। मानक टैरो डेक में 78 पत्ते होते है, जो दो खंडों में विभक्त हेाते है।

1. मेजर अर्काना
2. माइनर अर्काना

अर्काना शब्द अर्कानम का बहुवचन है जिसका अर्थ गहरा रहस्य होता है। इस तरह टेरो के पत्ते उन रहस्यों का संग्रह है जो ब्रम्हांड के अंदर छिपे है और उसकी व्यख्या करते है। प्रत्येक सेट का विस्तृत ब्योरा निम्नानुसार है।

1. मेजर अर्काना पत्ते

मेजर अर्काना से आशय बडे रहस्य से है। मेजर अर्काना में 22 पत्ते होते है। मेजर अर्काना के प्रत्येक पत्ते का नाम व अंक होता है। इन पत्तों के नाम से सीधे उनके आशय

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

का बोध हो जाता है। मेजर अर्काना विशिष्ट इसलिये होते है क्योंकि उनसे गहन व जटिल प्रतिक्रियाएं व्यक्त होती है। प्रत्येक पत्ता किसी मानवीय अनुभव का प्रतीक होता है। ये प्रत्ते आर्किटाइप (नमूने) का प्रतिनिधित्व करते है जिसकी एक निश्चित अनुरुपता व प्राढ़र्शों का असर होता है जो कि मानव स्वभाव में अंतर्निहित है। पाठन करते समय मेजर अर्काना पत्ते को अधिक महत्व ढ़िया जाता है। ये जातक की मूल भावनाओं, संबंधों तथा प्रेरणाओं को व्यक्त करते हैं।

मेजर अर्काना में अनुभव के अनेक स्तर व प्रारुप होते है। इन पत्तों में वृद्धि के समस्त प्राढ़र्श समाहित होते है - चाहे वे जीवन के एक भाग में घटित हुए हो या सारे जीवन के ढ़ौरान। मेजर अर्काना व्यक्ति के प्रारब्ध को संपूर्णता और सिद्धि को उद्‌घाटित करते है।

मेजर अर्काना के 22 पत्ते व उनके अंक निम्नानुसार है -

0. ढ फूल (मूर्ख)

1. ढ मेजीशियन (जाढ़ुगर)

2. ढ हाई प्रीस्टेस (पुजारिन)

3. ढ एम्प्रेस (साम्राज्ञी)

4. ढ एम्पढ़र (सम्राट)

5. ढ हीरोफेंट (ज्ञानी)

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. Ph: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

6. द लवर्स (प्रेमी युगल)

7. चेरयिट (रथ)

8. स्ट्रेंथ (शक्ति)

9. द हर्मिट (साधू)

10. द व्हील ऑफ फार्चून (भाग्य चक्र)

11. जस्टिस (न्याय)

12. द हैंग्ड मैन (फांसी पर व्यक्ति)

13. डेथ (मृत्यु)

14. टेम्परेंस (संयम)

15. द डेविल (शैतान)

16. द टावर (बुर्ज)

17. द स्टार (सितारा)

18. द मून (चांद)

19. द सन (सूर्य)

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

20. द जजमेंट (इन्साफ)

21. द वर्ल्ड (संसार)

द माइनर अर्काना

जहां मेजर अर्काना पत्ते वैश्विक प्रकरणों की अभिव्यक्ति करते है, वहीं माइनर अर्काना इन प्रकरणों को व्यवहारिक धरातल पर लाकर बतलाते है कि हमारे दैनिक जीवन में वे किस प्रकार क्रियाएं करते है। माइनर अर्काना पत्ते रोजमर्रा की जिंदगी की गतिविधियों, भावनाओं और मतलबों का प्रतिनिधित्व करते है।

माइनर अर्काना में 56 पत्ते होते है। ये 56 पत्ते फिर 4 सूटों में बंटे होते है। और ये सूट पत्ते निम्नानुसार है –

1. वान्ड्स
2. कप्स
3. सोर्ड्स
4. पेन्टेकल्स या कॉइन्स

इनमें से प्रत्येक सूट जीवन के किसी अभिगम विशेष का नुमाइंदा होता है। इन सूट पत्तों के कुछ पहलुओं का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है –

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com